Imbibing Tagore | 9th May, 2022 A Distinguished Talk by Prof. Sanjukta Dasgupta *on* "A Patriot: Not a Nationalist? Rabindranath Tagore and the Idea of India" Organised by Department of English, Guru Nanak College, Dhanbad

A special talk on "Imbibing Tagore" was organized by the Department of English, Guru Nanak College, Dhanbad on the occasion of Rabindranath Tagore's birth anniversary. The theme of the lecture was "A Patriot: Not a Nationalist? Rabindranath Tagore and the Idea of India", in which Prof. Sanjukta Dasgupta was addressing the audience as the distinguished speaker. Dr Dasgupta is a well-known litterateur, critic, translator and poet of the country, besides being a distinguished member of the General Council and Advisory Board of the Sahitya Akademi.

Beginning her address, Prof. Sanjukta referred to Rabindranath's poem "The Sunset of the Century" which was published in 1899. She subtly established Tagore as a poet, as a noted intellectual and as a writer, and then discussed the difference between nationalism and patriotism. Presenting the nationalism and patriotism views of German philosopher Herder, Jürgen Habermas and K A Appiah, Prof. Dasgupta reached out to Tagore's point of view and pointed out the ill effects displayed by him. Rabindranath Tagore had an unwavering belief in universalism, due to which he also returned the knighthood. Prof Dasgupta said that Tagore always opposed the political concepts of nationalism and patriotism, due to which his ideas kept clashing with Gandhi. Referring many of Tagore's works, Prof Sanjukta finally established that Tagore was neither a nationalist nor a patriot – but a poet, pioneer of humanity and a warrior fighting all kinds of fear.

After the formal commencement of the program, the Principal of the College, Dr. Sanjay Prasad, while offering the welcome address, introduced the distinguished speaker. Prof Debjani Biswas, Dean Students Welfare of BBMK University also discussed Tagore's life and writings while addressing the speakers. During the program an interactive session was also conducted in which students asked some questions to the speaker. The event ended with the vote of thanks by the Head of the department, Prof. Amarjit Singh. The program was conceptualized and coordinated by Dr. Varsha Singh.

During the talk, Secretary of the Governing Body of the College Sardar Diljaun Singh Grewal and Prof. Purnendu Shekhar, Dr. Basudhara Roy from Jamshedpur and Dr. Himanshu Shekhar Choudhary from the Post Graduate Department of the University were also present. Prof. Deepak Kumar, Prof. Ranjana Das, Prof. Santosh Kumar, Dr. Meena Malkhandi, Dr. Nita Ojha, Prof. Daljit Singh, Prof. Chiranjit Adhikari, Prof. Piyush Aggarwal, Prof. Sonu Prasad, Prof. Sadhna Singh, Prof. Anuradha, Prof. Snehal Goswami, Ms. Ghanishtha Verma, Ms. Surabhi Kashyap along with all the teachers, non-teaching staff and students participated. Sadhan Mishra made a major contribution in the successful technical operation of the program.

Youtube Link: https://youtu.be/N737lsJIu_4

Gallery

IMBIBING TAGORE



A PATRIOT; NOT A NATIONALIST? **RABINDRANATH TAGORE &** THE IDEA OF INDIA

A Talk by

Prof. Sanjukta Dasgupta

MAY 9, 2022 12:30 - 02:00 PM (IST) GOOGLE MEET CODE: OES-DHYQ-KUP Department of English **GURU NANAK COLLEGE, DHANBAD** Affiliated to BBM Koylanchal University, Dhanbad



1





Department of English GURU NANAK COLLEGE, DHANBAD

1

12:30 - 02:00 PM (IST)

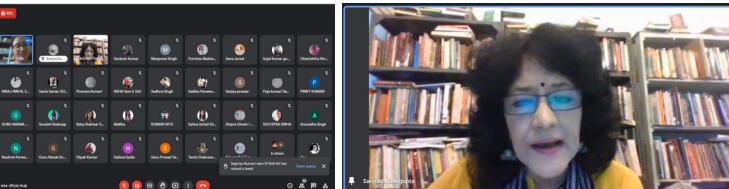
Talk by Prof. Sanjukta Dasgupta

A Patriot; Not A Nationalist? Rabindranath Tagore & the Idea of India

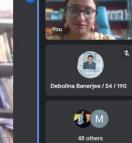


Author of 23 books. Dr. Sanjukta Dasgupta. Professor and Former Head, Dept of English and Former Dean, Faculty of Arts. Calcutta University, is a poet, critic and translator. She is a member of the General Council of Sahitya Akademi New Delhi and Convenor, English Advisory Board, Sahitya Akademi, New Delhi. She received the WEI Kamala Das Poetry Award in 2020.









Press Coverage:



धनबाद, मुख्य संवाददाता। गुरुनानक कॉलेज के अंग्रेजी विभाग की ओर से रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती पर डमबाईबिंग टैगोर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन हुआ।

ए पेटियटः नॉट अ नेशनलिस्ट रवींद्रनाथ टैगोर एंड द आईडिया ऑफ़ इंडिया विषय पर जानी मानी साहित्यकार व आलोचक प्रो. संजक्ता दास गप्ता ने विस्तार से रवींद्रनाथ टैगोर के बारे में जानकारी दी। उन्होंने उनकी कविता द सनसेट ऑफ़ द सेंचुरी का ज़िक्र किया, जो वर्ष 1899 में प्रकाशित हुई थी। कहा कि टैगोर का सार्वभौमवाद पर अट्ट विश्वास रहा। इस कारण उन्होंने नाइट की पदवी भी लौटा दी थी। प्रो. दासगुप्ता ने बताया कि टैगोर ने राष्ट्रवाद और देशभक्ति की राजनीतिक अवधारणाओं का हमेशा विरोध किया। यही कारण है कि उनके विचार गांधी से भी टकराते रहे। प्राचार्य डॉ संजय प्रसाद ने कार्यक्रम के बारे में बताया। विश्वविद्यालय की डीन स्टडेंट्स वेलफेयर प्रो.



देवजानी विश्वास ने टैगोर की जीवनी और लेखनी की चर्चा की। महाविद्यालय शासी निकाय सचिव सरदार दिलजॉन सिंह ग्रेवाल. शिक्षाविद प्रो. पूर्णेन्दु शेखर, जमशेदपुर की डॉ वसंधरा रॉय, विवि पीजी विभाग के डॉ हिमांश शेखर चौधरी, प्रो. दीपक कमार, प्रो. रंजना दास, प्रो. संतोष कुमार, डॉॅमीना मालखंडी, प्रो. दलजीत सिंह, प्रो. चिरंजीत अधिकारी समेत अन्य मौजद थे। कार्यक्रम की परिकल्पना और संयोजन डॉ वर्षा सिंह ने की। धन्यवाद ज्ञापन विभागाध्यक्ष प्रो. अमरजीत सिंह ने किया।



धनबाद 10-05-2022



सिटी रिपोर्टर | धनबाद

बंगाली कल्याण समिति, मंदिर रिलिजियस एंड चौरटेबल ट्रस्ट और लिंडसे बलब व लाइबेरी ने सोमवार को कविगुरु रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती सामयार को कार्यपुर स्वारताय टगार का जन्मा मनाई। टैगोर की 161वीं जन्मतिथि पर बंगाली कल्याण समिति के सदस्यों ने हीरापुर दुर्गा मंदिर स्थित कविगुरु की मूर्ति पर माल्यार्पण कर पुष्प अपित किया। दुर्गा मंदिर रिलिजियस् एंड चैरिटेबल ट्रस्ट ने भी मॉल्यापंण किया। इस दौरान ट्रस्ट के अध्यक्ष कंसारी मंडल ने रवींद नाथ टैगोर के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डाला। बताया कि उनके लिखे गोतों से देश के स्वतंत्रता संग्राम में शामिल युवा पीढ़ी में प्रेरणा एवं उत्साह का संचार हुआ। इस्ट के सचिव न अरणा एव उत्तार का सवार हुआ। इन्हे के साथव डों प्रियदर्शी गुप्ता, कोषण्यक्ष तित्य व्रत दे उर्फ कालू दे, बरणाली गुप्ता, अर्थ सरकार, बाबूदास गुप्ता, सोमनाथ सरकार, बाबू मित्रा, अमिताभ मुखर्जी, आला पाल, संजय, राजू दे, बाबू दे आदि मौजूद थे। लिंडसे क्लब में गीत नाटय मंचन

लिंडसे क्लब व लाइब्रेरी ने सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महासचिव दीपक कुमार ने माल्यार्पण किया। फिर रवींद्रनाथ रचित कविता के माल्यागण काया। एक रवाद्रमांय राजत कावता क आधार पर एक गीतिनाट्य का मंचन किया गया। पर्णा मंडल, बर्णाली सेनगुप्त, स्वाति गुप्त, कोयेना मजुमदार, देवदास सेनगुप्त, प्रणव हालदार, मनोज मजुमदार ने विभिन्न चारत्रों को निभाया। हे नतुन मंजुमदार न ावामज खारंग का ानभावा। इ नतुन देखा दिक आर-बार, जन्मेर प्रथम शुम्धश्रण। दारुण अग्नियाणे रे, इदय तुषाय हाने रे आदि गीतीं की भी प्रस्तुति हुई। कुपान, सेकत, हुमा, डलि,चंदना, अदिया, लोलागय, पिंटू ने संगीत, रिशान, सिंकु, रिशिता नूत्य प्रस्तुत किया। धन्यवाद ज्ञापन बलब के तेक सचिव तपन राय ने किया।



दुर्गा मंदिर में रिलिजियस एंड चैरिटेबल ट्रस्ट ने गुरुदेव को दी श्रद्धांजलि।

डीएवी पब्लिक स्कूल, कुसुंडा में मनाई गई रवींद्र जयंती केंद्रुआ डिएवी पब्लिक स्कूल, कुसुंडा में गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती मनाई गई। प्राचार्य एसएस हाजरा ने दीप गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर के चित्र के भनाइ त्यां, आचावी प्रस्थाव कार्यत न दोम युद्धव्य रवाइटाम ठोम, समाज समय दीप प्रकारित किया देशे को महान महील्लास्ता, चिनकार, समाज सुपारक, दार्थनिक, वीत्राव्य, बातावा नोवेल युरक्तार पानेवाली, परिया के पहले ज्यांति या आजादी की त्यां त्यां हुं भे अपूर्ण योगदान दिशा हो दे उनके आदली को अपनी है के जुनेका में आगे बहुता है। इस अवसर पर विद्याल ने प्रकार को की क्या की कार्य कार्यना के दूस अवसर पर विद्याल ने प्रकार को की क्या कि स्थान में स्थान के स्थान मा स्थान कर सकता भन की लोग हिस्सा चे जॉन वियाश मंच का संचालन एके मिश्र ने किया। निरूपमा, दीपाली आदि मौजूद थे

गुरु को किया गया याद धनबाद जीएन कॉलेज में टैगोर जयंती पर व्याख्यान इंबाइबिंग टैगोर जवाता पर जाख्यम स्त्रासमा टांग का आयोजन किया गया। प्रो संजुलता दासगुरता ने रलींद्र नाथ टैगोर के जीवन पर प्रकाश डाला। प्राचार्य डॉ संजय प्रसाद ने वक्ताओं का परिचय कराया। विवि की डीन स्टडेंटस वेलफेयर डॉ देबजानी विश्वास ने भी संस्रोधित किया। विभागाध्यक्ष प्रो अमरजीत सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन से किया। परिकल्पना व संयोजन डॉ वर्षा सिंह की थी। मौके पर डा वर्षा सिंह को थी। मोक पर शासी निकाय के सचिव सरदार दिलजौन सिंह ग्रेवाल, प्रो पूर्णेन्दु शेखर, डॉ बसुधरा रॉय, डॉ हिमांशु शेखर चौधरी, प्रो दीपक कुमार, प्रो रंजना दास, प्रो संतोष कुमार, डॉ मीना मालखंडी, प्रो साधना सिंह, मे अनुराधा, प्रो स्नेहल गोस्वामी

गरु नानक कॉलेज में कवि



Dhanbad City Newsp... × epaper.jagran.com राष्ट्रवाद की राजनैतिक अवधारणाओं के विरोधी थे टैगोर गुरुनानक कालेज में **रविंद्र जयंती पर** व्याख्यान इमबाइबिंग टैगोर का हुआ आयोजन, जिले में कई जगह कार्यक्रम लिंड से क्लब में सजी सुरों की महफिल जागरण संवादयाता, चनवाद ः नाथ टेगोर ने राष्ट्रवाद और देश के राजनीतिक अवसारणको ব্রবান্দু হগ মন্দির রিবিঞ্জিয়া জয়ন্তা क राजमोतक अवधारणाअ हमेशा विशेध किया। इसकी से उनके विचार गंधी से भी । रहे। टैगोर न ही राष्ट्रजायें 3 ही देशभवत थे, बल्कि एक रानवता के पश्चप्रदर्शक रकार के भय से लड़ने ह सामान्य परिषद और स दिल को बिशिष्ट सदस्य महत्यकार, आलोच्चक, साहित्यकार, आलोच्चक, और कवि प्रो. संजुक्त का। वह सौमवार को कालेज के अंग्रेजी विभाग । नाट अ नेशानलिस्ट? रविद्रनाथ टैगोर एंड द आइडिया आफ इंडिया' आ। अपने संबोधन को शुरुआत उन्होंने रविंद्र नाथ को कविंता ''द सनसेट आफ द सेंचुरे'' के जिक से की, जो 1899 में प्रकाशित हुई थी। उन्होंने टैगोर को कवि के रूप अस्टिंदम, अमिंदिता काकोली रिशान, स्वारि रिक. सुखर आग्रोजित सांस्कृतिक कार्य करती महिला = जातरण सिंह ग्रेवाल, पूर्व प्राचार्य प्रो. झरिया में कार्यक्रम के जरिए बच्चों ने कवि को किया याद () उन्होन टगर को कोव के रूप , प्रसिद्ध बुद्धिजीवी के रूप में और क लेखक के रूप में सूख्यता के ख स्थापित करते हुए राष्ट्रवाद रेदरागवित को भिन्नता पर पद्यों रेदरागवित की भिन्नता पर पद्यों)। बीबीएमकेयु की दीन स्टूठेंट्स ह साथ जमशोदपुर से दा. राय, बीबीएमकेयू के फारेन जिभागाध्यक्ष दा. हिम्मांश्व प्राप्त धारे वा भाग पुर वीडेताम जुलाम नाप भंगती की सरावस का कि वीडेताम न केक्स एक क्रिस्ट की ज्येती पर सामाजिक जीवजी क्रांधी और वीपता के क्रिस्ट के क्रांधी के बीपता के क्रिस्ट के क्रांधी के बीपता के क्रिस्ट के क्रांधी के बीपता के क्रांधी के क्रांधी के बीपता के क्रांधी के बीपता के क्रांधी क्रांधी के क्रांधी के क्रांधी के क्रांधी के क्रांधी के क्रांधी के क्रांधी क्रांधी के क्रांधी के क्रांधी का क्रांधी के क्रांधी के क्रांधी के क्रांधी क्रांधी क्रांधी क्रांधी के क्रांधी क्रांधी के क्रांधी क्रांधी क्रांधी क्रांधी के क्रांधी क्रांधी के क्रांधी के क्रांधी क्रांधी का क्रांधी के क्रांधी के क्रांधी क्रांधी के क्रांधी क्रांधी के क्रांधी क्रांधी का क्रांधी के क्रांधी क मकयू क फारन इ. ड. हिमांशु अमरजीत सिंह, दीपक कुमार, संतीष कुमार, 1, मी, दलजीत अधिकारी, प्री, अधिकारी, प्री, संतू प्रसाद, 1. अनुराधा, प्री, धुनिष्ठा, बमा, बोबीएसकेयू को टीन स्टूटेंट्स फेक्स छा, देवयानी विव्यक्त में 1 को। प्रायार्थ छा, संजय प्रस्तव प्रायोजन के उद्देश्य की जानकारी। फ्रम के डीरान इंटरेविटव सेरान हुआ। इसमें विद्यायिओं में ाओं से सवाज भी पूछे। शासी ाथ के साचिव सरवार दिलजीन डा. वर्षा सिंह, प्रो. प्रो. रंजना दास, प्रो. डा. मीना मालस्वेदी, सिंह, प्रो. घिरंजीत अ पियूष अग्रवाल, प्रो. प्रो. स्वधना सिंह, प्रो. रनेहुल गोस्वामी, ध

जन्मकि से प्रिय निमाणि में आधिक मदद भी को थी। नुत्य संदेशों के प्रभारी मौसूमी राय, प्राप्ती कुमारी, नीतू कुमारी, सोनू कुमार, अनमील कुमारी, सोन्हेत कुमारी, वैचपिस्खा कुमारी, पल्लाबे कुमारी, प्रवीर कुमार राय, झालब्दी G

ব

शिकायत था क इनक कालज उन पर पर 30 हजार रुपय दन का दबाव बना । रजल्ट, प्राावजनल आर माइग्रशन प्रशासन से इस दिलवान या फिरावाव आर माइग्रशन सोटफिकट जारा करन विवि के आदेश के खिलाफ जाकर उन रहा है, इसके लिए कॉलेजों ने बीएड का सटिफिकेट रोक रखा है, छात्र विवि स्तर से रिजल्ट, प्रोविजनल सटिफिकेट की मांग कर रहे हैं,



का मंचन किया गया. इसमें पर्णा मंडल. बर्णाली सेनगुप्ता, स्वाती गुप्ता, कोयना लिंडसे क्लब में आयाजित कार्यक्रम में प्रस्तति देते कलाकार .

गजाना केन्ना गेगाज गणेव Tue, 10 May 2022

महासचिव दीपक कमार ने कवि रवींद्र

नाथ की तस्वीर पर माल्यार्पण किया.

रवींद्र नाथ रचित कविता पर गीति नाट्य

प्रभात खबर https://epaper.prabhatkhabar.com/c/67950772

सुरभि कश्यप, साधन मिश्रा ने प्रमुख बागदान दिया।

गुरूनानक कॉलेज में ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन

धनबाद, गुरुनानक कॉलेजधनबाद के अंग्रेजी विभाग की ओर से जयंती पर ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया . कार्यशाला का नाम 'इमबाईबिंगटै गोर'था. इस 'अ पेट्रियट नॉट अ नेशनलिस्ट? रवींद्रनाथ टैगोर एंड द आइडिया ऑफ इंडिया ' जिसमें विशिष्ट वक्ता के तौर परप्रो , संजक्ता दासगृप्ता ने संबोधित किया , डॉ , दासगृप्ता साहित्यकार, आलोचक, अनवादक और कवि होने के साथ सहित्य अकादमी के सामान्य 'परिषद और सलाहकार मंडल की विशिष्ट सदस्य भी हैं . कॉलेज की शासी निकाय के सचिव सरदार दिल जौन सिंह ग्रेवाल एवं प्रो. पूर्णेन्द् शेखर के साथ जमशेदपुर से डॉ बसुधरा रॉय और विश्वविद्यालय के पोस्ट ग्रेजुएट विभाग सेंडॉ हिमांश शेखर चौधरी भी मौजूद थें . आयोजनमें प्रे दीपक कुमार, प्रे रंजना दास, प्रो संतोष कुमार, डॉ मीना मालखंडी, प्रो दलजीत सिंह, प्रो चिरंजीत अधिकारी, प्रो पियुष अग्रवाल, प्रो सोन् प्रसंद, प्रो साधना सिंह, प्रो अनुराधा, प्रो स्नेहल गोस्वामी, सुश्री घनिष्टा वर्म, सुश्री सुरभि कश्यप आदि ने शिरकत की, कार्यक्रम के सफल तकनीकी संचालन में साधन मिश्रा ने किया.